मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 44 अंक : 155 शुक्रवार 5 सितंबर 2025 3 रुपए पृष्ठ 4
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
एक्टर आशीष कपूर रेप केस में गिरफ्तार

उल्हासनगर मनपा के वार्ड 'जैसे थे वैसे'

उल्हासनगर मनपा चुनाव 2026 में 20 प्रभागों से चुने जाएंगे 78 पार्षद

- उल्हासनगर मनपा ने देर रात वेबसाइट पर पूर्व सूचना दिए जारी किए प्रभाग
- छोटे फेरबदल के बाद जारी की गई मनपा प्रभाग रचना
- 15 सितंबर तक सुझाव व आपत्ति स्वीकारी जाएंगी
- आरक्षण लॉटरी गेम से पलट सकता है उम्मीदवारों का भविष्य

उल्हासनगर। आखिरकार उल्हासनगर महानगरपालिका ने बुधवार 3 सितंबर को देर रात 12 बजे के बाद अपनी वेबसाइट पर प्रभाग रचना प्रसिद्ध कर दी है। हैरानी की बात यह है कि बिना कोई पूर्व सूचना दिए प्रशासन ने इसे प्रसिद्ध किया है। उल्हासनगर मनपा में इससे पूर्व 78 वार्ड थे और 20 पैनल थे इस बार भी जैसे थे वैसे ही रखा गया है। चार वार्डों के 18 पैनल होंगे और तीन वार्डों के दो ही पैनल होंगे जिसमें पिछली बार की तरह ही पैनल 9 और पैनल 20 का समावेश है। प्रभाग संरचना में ज्यादा फेरबदल नहीं हुआ है। इन प्रभाग रचना फेरबदल हेतु 15 सितंबर तक सुझाव व आपत्ति स्वीकारी जाएंगी।

3 सितंबर को हुई घोषणा

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र में वार्ड संरचना का महत्वपूर्ण प्रारूप राज्य सरकार द्वारा 3 सितंबर, 2025 को एक अधिसूचना के माध्यम से घोषित किया गया है। यह अधिसूचना महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम, 1949 की धारा 5(3) के अंतर्गत प्रकाशित की गई है और इसके लागू होने के बाद ही अगले आम चुनाव होंगे। इस अधिसूचना के अनुसार, उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्र को 20 वार्डों में विभाजित किया जाएगा। इनमें से 18 वार्ड चार सदस्यीय और 2 वार्ड तीन सदस्यीय होंगे। उल्लेखनीय है कि इस बार पांच सदस्यीय वार्डों को शामिल नहीं किया गया है। नई वार्ड संरचना के अनुसार कुल 78 नगरसेवक चुने जाएँगे। नगर विकास विभाग के आदेशानुसार, यह प्रारूप नागरिकों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया गया है। नागरिक अपनी आपत्तियां और सुझाव 15 सितंबर, 2025 तक उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त को लिखित रूप में प्रस्तुत करें। यह भी स्पष्ट किया गया है कि इसके बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। यह अधिसूचना उल्हासनगर महानगरपालिका के अगले आम चुनावों की पृष्ठभूमि में लागू होगी।

राजनीतिक हलचल तेज

अपने पुराने वार्ड पाकर पूर्व नगरसेवकों को कुछ राहत तो मिली हैं लेकिन आरक्षण लॉटरी के बाद ही उनकी राहत दिखाई देगी। युवा उम्मीदवारों का इस बार पता साफ होता ही देख रहा है क्योंकि अपने वार्डों में जमे हुए पूर्व नगरसेवक अपनी कुर्सी छोड़ेंगे नहीं। भाजपा, शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस, टीओके, मनसे, आरपीआय के कार्यकर्ताओं में चुनाव लड़ने की इच्छुकता बढ़ गई है। इस चुनाव में भाजपा, शिवसेना व राकांपा में युति पर फैसला निर्भर कर रहा है क्योंकि अगर युति होती है तो टीओके शिवसेना के साथ चुनाव लड़ने का सपना जो संजोए हुए हैं वो टूट जाएगा। शहर के राजनीतिक समीकरणों, पार्टी रणनीतियों और स्थानीय नेतृत्व की गणना में बड़ा बदलाव लाएगी। इस अधिसूचना ने उल्हासनगर के राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है और आगामी चुनाव और भी तनावपूर्ण होंगे।

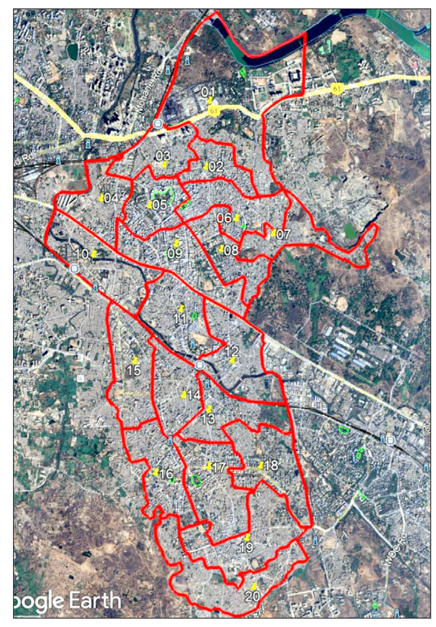

अब तक चार आयुक्त रहे प्रशासकीय राज में

ज्ञात हो कि उल्हासनगर महानगरपालिका का कार्यकाल 4 अप्रैल 2022 को समाप्त हो चुका है। 5 अप्रैल 2022 से प्रशासकीय राज चल रहा है। करीब साढ़े तीन वर्षों के प्रशासकीय राज में 4 आयुक्तों ने कार्यभार संभाला है जिनमें डॉ. राजा दयानिधी, अजीज शेख, विकास ढाकणे और अब मौजूदा मनिषा आव्हाले का समावेश है।

पैनल 1 में एंटीलिया का होगा बड़ा रोल

उल्हासनगर मनपा के पैनल 1 में रिजेंसी एंटीलिया को पूरी तरह सम्मिलित किया गया है। यहां पर हजारों की संख्या में नए मतदाता आए हुए हैं। क्या उन्हें इस बार के मनपा चुनाव की वोटर लिस्ट में सम्मिलित किया जाएगा और अगर किया गया तो यह पैनल 1 के लिए बहुत बड़ा रोल अदा करेगी। यहां पर उल्हासनगर शहर के बीचों बीच रहने वाले कई लोग स्थानांतरण हुए हैं। यहां पर पढ़े-लिखे उम्मीदवारों के लिए यह बड़ा वोट बैंक होगा क्योंकि यहां पर सेंचुरी रेयान कंपनी के भी हजारों मतदाता हैं। इस पैनल में करीब ढाई लाख मतदाता हैं। हर पार्टी की नजर इस पैनल पर होगी।

खेमानी परिसर में अपराधियों का आतंक

- युवक पर जानलेवा हमला
- रिक्शा चालक ने किया हमला
- पुलिस पकड़ से बाहर आरोपी

उल्हासनगर. बुधवार आधी रात को एक चौंकाने वाली घटना हुई जब एक रिक्शा चालक और उसके साथियों ने उल्हासनगर कैंप 2 में खेमानी चौक से कल्याण की ओर जा रहे एक प्रवासी युवक पर हमला किया और लूटपाट की।

घायल युवक का नाम संतोष कुमार है और वह दर्जी का काम करता है। करीब 1 बजे संतोष खेमानी चौक से अपने गांव जाने के लिए रिक्शा में बैठा था। हालांकि, रिक्शा चालक ने पंजाबी कॉलोनी की एक गली में रिक्शा रोक दिया और संतोष को बेरहमी से पीटा। हमले में वह काफी खून बह रहा था। आरोपियों ने उससे उसका मोबाइल फोन और नकदी छीन ली और भाग गए। संतोष के मुताबिक, रिक्शा चालक के साथ एक पुरुष और एक महिला भी शामिल थे। इस मामले में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और पुलिस जांच कर रही है। संतोष कुमार ने मांग की है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए और सख्त कार्रवाई की जाए।

पालेगांव में बिल्डर को कोयते से मारने की धमकी

- पालेगांव की भूमि पर अवैध कब्जे के लिए कंटेनर रख दिया

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व पालेगांव में जमीन के दाम आसमान पर जाने के बाद कुछ दबंगों ने बिल्डरों द्वारा खरीदी गई भूमि पर बड़े कंटेनर रख कर अवैध कब्जा जमा कर बिल्डरों को डरा धमका कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया है. जिसके कारण बिल्डर परेशान हैं. बिल्डर सचिन रतनशी शाह के साथ ऐसा दो बार हुआ है. उन्होंने फिर एक बार शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में कुछ लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कराया है. उनके मालकी की जमीन पर कंटेनर रखकर कब्जा जमाने का प्रयास कुछ दबंग कर रहे हैं. इससे पूर्व भी उनके मालकी की भूमि पर इसी तरह कंटेनर रखकर कब्जा जमाया गया है. जिसके खिलाफ उन्होंने पुलिस में शिकायत की है. फिर से पालेगांव में उनकी मालकी की भूमि पर 3 सितंबर को मनोहरबाबू देसाई के कहने पर समीर देसाई, अक्षय देसाई, नंद जेठानी, नाईक, सुभाष कांबले, वैभव थोरवे, नरेश वारिंगे, दीपक मानेरकर ने सचिन की मालकी की भूमि पर, जिसका कमर्शियल प्लान भी मंजूर हो चुका है, उस पर कब्जा करने के लिए उपरोक्त लोगों ने एक बड़ा कंटेनर लाकर रख दिया है. सचिन ने पुलिस को कहा है कि उस समय वहां पर उनका सुरक्षा रक्षक मौजूद था. उसके द्वारा सचिन को खबर किए जाने पर वह घटना स्थल पर गए. सामने वालों को समझाने का प्रयत्न किया तो नरेश वारिंगे कोयता लेकर खड़ा हो गया और कहा कि उसने जेठानी से इस जगह का काम लिया है. तुम इस जगह से निकल जाओ नहीं तो तुम्हें मार दिया जाएगा. ऐसी धमकी उन्होने दी. शेष लोगों ने उनके साथ गालीगलौज किया. ऐसा अपराध सचिन ने पुलिस में दर्ज कराया है. मामले की जांच पुलिस कर रही है. इस मामले को लेकर बिल्डर एसोसिएशन खामोश है.

भाजपा ने फिर दिया कालानी को झटका

कालानी खेमे के पूर्व नगरसेवक व कट्टर समर्थक भाजपा में शामिल

उल्हासनगर। विधानसभा चुनाव में शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष से करारी हार के बाद ओमी पप्पू कालानी का वर्चस्व अब समाप्ति की ओर जाता हुआ नजर आ रहा है क्योंकि उनके कट्टर समर्थकों का बड़ा खेमा कल भाजपा में औपचारिक रूप से शामिल हो चुका है। जिसमें कई पूर्व नगरसेवकों का भी समावेश है।

कालानी के साथ हमेशा से ही रहने वाले पूर्व नगरसेवक सतरामदास जेसवानी के बाद अब प्रभुनाथ गुप्ता, सुजीत चक्रवर्ती, संजय सिंह के साथ उनके कट्टर समर्थक हेमा पिंजानी, सुचित्रा सिंह, सूरज भागरवानी, किशन लचानी, चांदनी श्रीवास्तव, मनीषा मेथवानी, दशरथ खैरनार, मंगलसिंह लबाना सहित करीब एक दर्जन नेताओं ने भाजपा में प्रवेश पा लिया है। उल्हासनगर जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया के मार्गदर्शन में प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में भाजपा प्रदेश कार्यालय में इनका जाहिर प्रवेश हुआ है। प्रवेश कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता जमनू पुरस्वानी, महेश सुखरामानी, प्रकाश माखीजा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे। आगामी होने वाले मनपा चुनाव से पूर्व यह कालानी खेमे के लिए बहुत बड़ा झटका है।

एमआईडीसी के रासायनिक अपशिष्ट से मर रही मछलियाँ

अंबरनाथ. आनंदनगर एमआईडीसी में स्थित रासायनिक कारखानों द्वारा शहरवासियों की जान से खिलवाड़ करने का एक चौंकाने वाला मामला ग्रामीणों ने उजागर किया है। इस कारखाने से निकलने वाला रासायनिक अपशिष्ट सीधे चिखलोली बांध में छोड़ा जा रहा है और अंबरनाथ के लोग इसी पानी का उपयोग पीने के लिए करते हैं। तो क्या महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अंबरनाथ के लोगों की मौत के बाद ही जागेगा? ग्रामीणों ने यह आक्रोशपूर्ण प्रश्न उठाया है। चिखलोली बांध, जांभिवली के ऊपर ठाकुरपाड़ा गाँव से निकलता है। यहाँ स्थित एक रासायनिक कंपनी ने कंपनी के पीछे एक नाला बनाकर अपना रासायनिक अपशिष्ट सीधे चिखलोली बांध में छोड़ना शुरू कर दिया है। स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर चिंता व्यक्त की है क्योंकि चिखलोली बांध के जलाशय में कई मछलियाँ रासायनिक अपशिष्ट के कारण मर गई हैं। जब स्थानीय ग्रामीणों ने इन मरी हुई मछलियों के पीछे का सही कारण जानने की कोशिश की, तो उन्हें पता चला कि एक बड़ी कंपनी का सीवेज सीधे इस चिखलोली बांध के स्त्रोत में छोड़ा जाता है। इसलिए, ग्रामीण ऐसे गैर-ज़िम्मेदार उद्योगपतियों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उल्हासनगर परिवहन विभाग ने टेम्पो एसोसिएशन को दिए स्पष्ट निर्देश

उल्हासनगर. गणेशोत्सव के दौरान शहर में यातायात सुचारू रहे, इसके लिए उल्हासनगर परिवहन विभाग ने कमर कस ली है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाट की उपस्थिति में आयोजित एक विशेष बैठक में टेम्पो एसोसिएशनों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। अनंत चतुर्दशी तक शहर में बड़े वाहनों को लोड-अनलोड न करने के स्पष्ट आदेश दिए गए हैं।

उल्हासनगर में गणपति उत्सव की पृष्ठभूमि में यातायात की भीड़भाड़ से बचने के लिए उल्हासनगर यातायात विभाग ने पहल की है। 2 सितंबर, 2025 को यातायात कार्यालय में आयोजित बैठक में यातायात पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाट, हीराघाट टेम्पो एसोसिएशन, सेंट्रल अस्पताल टेम्पो एसोसिएशन और लिंक रोड टेम्पो एसोसिएशन के प्रतिनिधि शामिल हुए।

शिरसाट ने इस बात पर जोर दिया कि गणेशोत्सव के दौरान नागरिकों को यातायात की समस्याओं का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अनंत चतुर्दशी तक शहर के किसी भी मार्ग पर बड़े वाहन बाहर से लोड-अनलोड न करें। इससे सड़कों पर भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम से बचा जा सकेगा। परिवहन विभाग ने टेम्पो एसोसिएशनों से इस संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है और चेतावनी भी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग ने परिवहन में सहयोग करने और नागरिकों की सुविधा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

कल्याण और कर्जत के बीच एक्सप्रेस ट्रेन से

22 लाख रुपये चुराने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

कल्याण. कल्याण रेलवे पुलिस के अपराध दस्ते ने उत्तर प्रदेश के दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने रात में लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों में सो रहे यात्रियों के बैग, जेब से कीमती सामान और नकदी समेत 22 लाख 24 हजार रुपये चुरा लिए थे। उन्होंने ये अपराध कर्जत, कल्याण, डोंबिवली और ठाणे रेलवे पुलिस थानों की सीमा में किए।

पुलिस ने इन चोरों के पास से 316 ग्राम वजन के सोने के आभूषण और 72 हजार रुपये की नकदी जब्त की है। चोरों के नाम वकार आलम तौकीर खान (39) और जुगल किशोर ओमप्रकाश शर्मा (41) हैं। वकार उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले का निवासी है। जुगल उत्तर प्रदेश के कानपुर का निवासी है। मई में, कोयंबटूर राजकोट एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री की रात में जेब काटकर एक चोर ने 3.60 लाख रुपये के सोने, चांदी के आभूषण और नकदी लूट ली थी। इस संबंध में कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

कल्याण अपराध शाखा की टीम मामले की जाँच कर रही थी। पुलिस टीम ने विभिन्न रेलवे स्टेशन क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज देखे और पुराने अपराधों की जानकारी हासिल करके आरोपियों की तलाश शुरू की। यह जाँच चल ही रही थी कि कल्याण रेलवे अपराध शाखा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय खेड़कर को गुप्त सूचना मिली कि कोयंबटूर राजकोट एक्सप्रेस से चोरी करने वाले दो व्यक्ति कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पहुँचने वाले हैं। जैसे ही दोनों व्यक्ति नियत समय पर कल्याण रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पहुँचे, पुलिस ने उनकी पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया। उनसे गहन पूछताछ की गई, तो उन्होंने कर्जत, ठाणे और डोंबिवली रेलवे पुलिस स्टेशनों की सीमा में कुल 16 अपराध कबूल किए।

यह कार्रवाई वरिष्ठ निरीक्षक विजय खेडकर, पुलिस निरीक्षक रोहित सावंत, सहायक पुलिस निरीक्षक मंगेश खाड़े, देवीदास अरण्य, दीपक पाटिल, सुधाकर सावंत, स्मिता वसावे, अक्षय चव्हाण, संदीप गायकवाड़, अनिल राठौड़, रूपेश निकम, राम जाधव, प्रमोद दिघे, स्वप्निल नांगरे, विक्रम चावरेकर, अविनाश पाटिल की टीम ने की।

फ्लाईओवर पर तेज़ रफ़्तार वाहनों की टक्कर

- बाइक सवार की सड़क पर गिरने से मौत

भिवंडी. शहर के दिवंगत हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे फ्लाईओवर पर बुधवार शाम दो तेज़ रफ़्तार कारों की टक्कर में कार पलट गई और कार के पीछे आ रहा बाइक सवार कार से टकराकर फ्लाईओवर से नीचे सड़क पर गिर गया। मृतक बाइक सवार की पहचान अंजुर निवासी 32 वर्षीय राहुल दादाराम तरे के रूप में हुई है और कार चालक मिल्लत नगर निवासी अब्दुल्ला मोहम्मद इलियास अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया है।

होंडा सिटी कार का चालक अब्दुल्ला मोहम्मद इलियास अंसारी भिवंडी से कल्याण की ओर तेज़ रफ़्तार से जा रहा था, जब वह भादवड़ में अरिहंत सिटी के पास पहुँचा, तभी सामने से आ रही एक महिंद्रा एक्सयूवी कार ने उसे टक्कर मार दी। जिससे दोनों कारों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और कार चालक अब्दुल्ला गंभीर रूप से घायल हो गया। हालाँकि, महिंद्रा एक्सयूवी कार का एयरबैग खुल जाने से उसकी जान बच गई और उसे मामूली चोटें आईं। इस दुर्घटना में होंडा सिटी कार मौके पर ही पलट गई और उसी समय होंडा सिटी कार के पीछे से आ रहे एक दोपहिया वाहन ने कार को टक्कर मार दी, जिससे दोपहिया वाहन सवार राहुल तरे फ्लाईओवर से 50 फीट नीचे सड़क पर जा गिरे। जिसमें राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक घायल हो गया।

इस फ्लाईओवर पर पहले भी तीन लोगों की दुर्घटना में मौत हो चुकी है। संकरी सड़क और पुल पर डिवाइडर न होने के कारण इस मार्ग पर हमेशा दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। इस मामले में शहर पुलिस थाने में दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। राहुल की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद अंजुर गाँव में मातम पसर गया है।

दर्गा के पास अतिक्रमणों पर कार्रवाई

- ईद एवं गणपति विसर्जन को देखते हुए की गई कार्रवाई

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम गैबन शाह वली दर्गा सड़क के आसपास की कई टपरियों, हाथगाड़ियों एवं अवैध तरीके से सड़क पर कब्जा जमाये फेरीवालों पर गुरुवार को अंबरनाथ नगर परिषद अतिक्रमण विभाग ने कार्रवाई की है. ईद-ए-मिलाद एवं गणपति विसर्जन को देखते हुए सड़क के किनारे पर अवैध रूप से कब्जा करने वालों पर कार्रवाई की गई है. ऐसी जानकारी हमें अतिक्रमण विभाग के गावित ने दी है. दर्गा की हदबंदी दीवार से लगकर एवं सड़क के किनारे अतिक्रमण किए गए टपरियों, हाथगाड़ी पर ये बड़ी कार्रवाई की गई है. इससे पूर्व भी इन अतिक्रमणों पर नपा ने कई बार कार्रवाई की थी. लेकिन फिर से सड़क के किनारे टपरियों के लगने के कारण वाहनों एवं पादचारियों को एवं दर्गा में हाजिरी लगाने वालों को परेशानी हो रही थी. कुछ ही फासले पर इसी सड़क पर अग्निशमन दल वाहनों का केंद्र है. शहर में कहीं भी आग लगने पर इस सड़क से अग्निशमन वाहनों को भी जाने में ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ रहा था. दो दिनों पूर्व शहर पूर्व में शिवाजी चौक पर धड़ल्ले से लगाए जा रहे मछली विक्रेताओं पर भी अतिक्रमण विभाग ने कार्रवाई की थी.

1.34 करोड़ रुपये की अवैध शराब जब्त

ठाणे. राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के अधिकारियों ने मुंबई - नाशिक हाइवे पर खारेगांव टोल नाका के पास से 1.34 करोड़ रुपये मूल्य की गोवा निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) जब्त की है . इसके अवैध परिवहन के लिए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है.

राज्य आबकारी शुल्क अधीक्षक प्रवीण तांबे ने पत्रकारों को बताया कि यह कार्रवाई बुधवार तड़के विभाग के फ़्लाइंग स्कोट द्वारा की गई। उन्होंने बताया कि खारेगांव इलाके में निगरानी के दौरान दस्ते ने एक टेंपो को संदिग्ध रूप से आते देखा. वाहन को रोककर उसकी जांच की गई, जिसमें गोवा में निर्मित विभिन्न ब्रांड की 1,400 पेटी आईएमएफएल बरामद हुई.

ईद-ए-मिलाद की छुट्टी 5 के बजाय 8 सितंबर को

- अंबरनाथ मुस्लिम जमात ने मुख्यमंत्री का किया अभिनंदन

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. ईद-ए-मिलादुन्नबी की शासकीय छुट्टी अब 5 सितंबर शुक्रवार के बजाय 8 सितंबर सोमवार को महाराष्ट्र शासन ने घोषित की है. राज्य शासन द्वारा ऐसी अधिसूचना 4 सितंबर गुरुवार को जारी की गई है. इसका कारण बताया गया है कि 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी पर गणपति विसर्जन होने के कारण 21 अगस्त को विविध मुस्लिम संगठनों ने बैठक का आयोजन करके राज्य में हिंदू मुस्लिम एकता कायम रहे इसके लिए 5 सितंबर के बजाय ईद का जुलूस 8 सितंबर सोमवार को निकालने का निर्णय लिया है. 8 को ईद के जुलूस में ज्यादा से ज्यादा मुसलमान भाग ले सकें, इसके लिए 8 सितंबर को शासकीय छुट्टी घोषित की गई है.

मुंबई शहर, मुंबई उपनगर जिलों में शुक्रवार 5 के बजाय 8 को छुट्टी रहेगी, लेकिन मुंबई उपनगर, जिले, मुंबई शहर के अलावा राज्य के दूसरे जिलों में शुक्रवार 5 सितंबर को ही छुट्टी रहेगी, ऐसा जारी अधिसूचना में कहा गया है. महाराष्ट्र के राज्यपाल के आदेशानुसार ये अधिसूचना जारी की गई है. ईद जुलूस की छुटटी 8 सितंबर को घोषित किए जाने पर कई मुस्लिम संगठनों ने महाराष्ट्र सरकार के इस कदम की प्रशंसा की है. अंबरनाथ मुस्लिम जमात के अध्यक्ष हाजी सलीम चौधरी ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का अभिनंदन करते हुए मुसलमानों से अपील की है कि 8 सितंबर को गैबनशाह दर्गा से निकाले जाने वाले जुलूस में ज्यादा संख्या में शामिल हों.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास
मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

पंजाब में बाढ़ से जनता बेहाल

देश के नागरिक जनप्रतिनिधियों को इस उम्मीद के साथ चुनते हैं कि वे व्यक्तिगत हित से ऊपर उठकर संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह करेंगे, जन-समस्याओं का समाधान निकालेंगे और संकट की घड़ी में उनके साथ खड़े रहेंगे। मगर जनप्रतिनिधियों के व्यवहार में आ रहे बदलाव से अब लोगों का भरोसा डगमगाने लगा है। आपराधिक छवि के नेताओं को जिस तरह राजनीति में जगह मिली है, इसके लिए सियासी दल भी कम जिम्मेदार नहीं हैं.

दुखद है कि लोकतंत्र की रक्षा करने की शपथ लेने वाले नेता लोक के लिए ही खतरा बन गए हैं। पंजाब में आम आदमी पार्टी राजनीति में शुचिता लाने और विकास के वादे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन इन वादों की हकीकत ने लोगों को निराश ही किया है। ताजा उदाहरण राज्य में इस पार्टी के एक विधायक का है, जिन पर बलात्कार जैसे संगीन आरोप लगे हैं। इस मामले में पुलिस ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार किया था, लेकिन उन्होंने अपने समर्थकों के साथ ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं और पुलिस की हिरासत से फरार हो गए।

पंजाब में सत्तासीन आम आदमी पार्टी को शायद ही इस बात की कोई चिंता होगी कि उसके विधायक क्या कर रहे हैं। पार्टी के कुछ विधायकों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। कई आरोपों से घिरी आम आदमी पाटी और उसकी सरकार की ओर से किए जा रहे विकास के दावों में कितनी सच्चाई है, इसकी तस्वीर इस बार राज्य में बने बाढ़ जैसे हालात से साफ दिख रही है।

पार्टी के विधायक इस संकट में जनता के बीच जाना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। अगर, बाढ़ से निपटने के समय पर बंदोबस्त किए गए होते, तो आज राज्य में हालात ऐसे नहीं होते। पंजाब में करीब साढ़े आठ लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ऐसे समय में जब लोगों को अपने जनप्रतिनिधियों की सबसे अधिक जरूरत है, तो एक विधायक के गोलियां चलाकर पुलिस हिरासत से फरार होने की घटना सामने आ रही है। अगर जनप्रतिनिधि ही सड़क पर हथियार लेकर चलेंगे तो वे समाज में किस तरह का आदर्श कायम करेंगे?

राष्ट्रीय चिंता का विषय बने घुसपैठिए

सीमा पार से घुसपैठ भारत की सबसे गंभीर आंतरिक सुरक्षा चिंताओं में से एक बन गई है। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इस खतरे को रेखांकित करते हुए कहा, 'अवैध घुसपैठिए हमारे युवाओं की रोजी-रोटी छीन रहे हैं, हमारी बेटियों और बहनों को निशाना बना रहे हैं और निर्दोष आदिवासियों की वन भूमि पर कब्जा कर रहे हैं।' उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में इन जनसांख्यिकीय बदलावों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया।

इस समस्या से निपटने के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय जनसांख्यिकीय सुरक्षा मिशन के गठन की घोषणा भी की है। यह इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए एक दृढ़ प्रयास का संकेत देता है। घुसपैठ अब केवल सीमा-विशेष के स्तर पर ही समस्या नहीं रह गई है। दिल्ली, हैदराबाद, गुरुग्राम और पुणे जैसे प्रमुख शहरों में घुसपैठियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इससे शहरी सेवाओं और व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। इसके दूरगामी सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

घुसपैठ एक राष्ट्रीय चिंता बन गई है। बांग्लादेश और म्यांमार से आए घुसपैठियों ने असम, बंगाल, त्रिपुरा और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की जनसांख्यिकीय संरचना को बदल दिया है। इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ा है। इसके चलते भूमि, भाषा और पहचान को लेकर टकराव पैदा हो रहा है। स्थानीय लोगों में धारणा बढ़ रही है कि

घुसपैठिए कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक तुष्टीकरण का लाभ उठा रहे हैं।

इस धारणा ने जातीय राष्ट्रवाद और सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया है। कट्टरपंथी समूह ऐसी भावनाओं का फायदा उठाने में तत्पर रहते हैं, जिससे सामाजिक एकता को और खतरा पैदा होता है। इस समस्या को विकराल बनाने में राजनीतिक दल भी कम दोषी नहीं। अधिकांश दलों ने वोट-बैंक के लिए जाली दस्तावेजों के जरिये घुसपैठियों को सरकारी जमीनों खासकर नदियों के निकट और वन क्षेत्रों में बसाने में मदद की है।

अल्पकालिक चुनावी लाभ के लिए इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ दीर्घकालिक समझौता हो जाता है। इससे नागरिकों और राज्य के बीच अविश्वास गहराता है। समय रहते अगर इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह भारी अशांति का कारण बन सकता है, विशेषकर उन संवेदनशील क्षेत्रों में जहां जनसांख्यिकीय दबाव बढ़ रहा है। इसके तब और विध्वंसक परिणाम सामने आते हैं जब घुसपैठिए कृषि, निर्माण और घरेलू मजदूरी से जुड़े काम में संलग्न हो जाते हैं। इससे बाजार सस्ते मजदूरों से भर जाता है और स्थानीय श्रमिकों के हितों पर चोट पहुंचती है। सुरक्षा के जोखिम अलग बढ़ जाते हैं।

कई घुसपैठिए अनौपचारिक या ग्रे इकोनमी में भी लिप्त होते हैं, जहां वे पशु तस्करी, मादक पदार्थों, जाली मुद्रा और अन्य अवैध गतिविधियों में लिप्त होते हैं। ये गतिविधियां न केवल औपचारिक अर्थव्यवस्था को कमजोर करती हैं, बल्कि संगठित अपराध सिंडिकेट को भी मजबूत बनाती हैं। इनमें से कुछ के आतंकवादियों से संबंध भी होते हैं। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं पर भी घुसपैठिए बोझ बढ़ा रहे हैं। इस बोझ के चलते 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना भी पटरी से उतर सकता है।

शत्रु पक्ष की रणनीतियों के कारण भारत की सीमाओं पर समस्याएं बढ़ रही हैं। पंजाब में ड्रोन के जरिये ड्रग्स और हथियार से जुड़े आतंकवाद ने जोर पकड़ लिया है। भारत-म्यांमार सीमा पर दुर्गम इलाके उग्रवादियों की आवाजाही और अवैध प्रवेश को बढ़ावा देते हैं। साइबर अपराधियों और मजदूरों के वेश में छिपे गुप्त एजेंट जांच को और जटिल बना देते हैं। बीते दिनों बांग्लादेश-मेघालय सीमा पर पाकिस्तानी आतंकियों की गिरफ्तारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ द्वारा एक रणनीतिक बदलाव का संकेत देती है, जो अब पूर्वी सीमा पर कमजोरियों का फायदा उठाने के फेर में है।

सुरक्षा बलों की भरसक कोशिशों के बावजूद व्यापक भौगोलिक परिस्थितियां भी प्रवर्तन संबंधी चुनौतियां उत्पन्न कर रही हैं। 2011 में मालदा जिले में पशु तस्करों ने एक हेड कांस्टेबल की हत्या कर दी थी। एक सर्वेक्षण के अनुसार 500 मीटर क्षेत्र पर अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों ने कब्जा किया हुआ था। इससे सुरक्षा अभियान के समक्ष चुनौतियां पैदा हो गईं। स्थानीय खुफिया नेटवर्क भी प्रभावित हो रहा है।

एकता की ओर जाने वाला मार्ग हम में से प्रत्येक व्यक्ति के साथ शुरू होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

क्या हम तबाही के करीब पहुंच रहे हैं?

हिमनदों का तेजी से पिघलना जलवायु परिवर्तन और इसके परिणामस्वरूप आने वाली प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। इससे विनाशकारी बाढ़, जल संकट, समुद्र के स्तर में वृद्धि और पारिस्थितिकी तंत्र में असंतुलन जैसे संकट की स्थिति और गंभीर हो सकती है। यह भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। हिमनदों के पिघलने से पहाड़ों पर नई झीलें बन रही हैं और पहले से बनीं झीलों का दायरा भी बढ़ रहा है, जो कभी भी आसपास के इलाकों में भयंकर तबाही मचा सकती हैं।

केंद्रीय जल आयोग की हालिया रपट में कहा गया है कि भारत के हिमालयी क्षेत्र में 432 हिमनद झीलों का आकार चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। इस वर्ष जून के दौरान इन झीलों के जल क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। सवाल यह है कि ये झीलें बढ़ते पानी का दबाव आखिर कब तक झेल पाएंगी? ऐसे में इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि भविष्य में जल का यह अथाह भंडार बड़ी आपदाओं का कारण बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि इन हिमनद झीलों का गहन अध्ययन किया जाए और इनकी नियमित रूप से निगरानी की जाए।

केंद्रीय जल आयोग की रपट के मुताबिक, लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के हिमालयी क्षेत्र में हिमनद तेजी से पिघल रहे हैं और वहां बनी झीलों का आकार लगातार बढ़ रहा है। भारत में हिमनद झीलों का कुल क्षेत्रफल वर्ष 2011 में 1,917 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़ कर 2,508 हेक्टेयर हो गया। यानी इन झीलों के क्षेत्रफल में 30.83 फीसद की वृद्धि हुई है, जो आसपास की आबादी के लिए कभी भी प्रलयकारी साबित हो सकती है।

अरुणाचल प्रदेश में सबसे अधिक 197 विस्तारित हिमनद झीलें हैं। इसके बाद लद्दाख में 120, जम्मू-कश्मीर में 57, सिक्किम में 47, हिमाचल प्रदेश में छह और उत्तराखंड में पांच हिमनद झीलों का क्षेत्रफल बढ़ा है। देहरादून स्थित वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान और दून विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में भी पाया गया है कि उत्तराखंड में हिमनदों के पिघलने से बन रही झीलों में मिट्टी, मलबा और पत्थर भी जमा हो रहे हैं। प्रदेश में पिछले दस वर्षों में हिमनद झीलों की संख्या 19.2 फीसद तक बढ़ी है। इससे साफ है कि खतरा लगातार बढ़ रहा है।

वैज्ञानिक अध्ययनों से यह बात साफ हो चुकी है कि बढ़ता वैश्विक ताप और जलवायु परिवर्तन हिमनदों के पिघलने का मुख्य कारण है। इसका नतीजा न केवल विनाशकारी बाढ़ के रूप में देखने को मिल सकता है, बल्कि गंभीर जलसंकट जैसी स्थितियां भी पैदा हो सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाकर और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर सतत विकास के माडल पर ध्यान केंद्रित किया जाए। सरकार, समाज, विज्ञान और जनमानस को मिल कर इस चुनौती से निपटने के उपायों पर काम करना होगा।

जिन पर्वतीय इलाकों में हिमनद झीलों का विस्तार हो रहा है, वहां निचले इलाकों में रह रहे समुदायों के लिए वास्तविक समय पर आधारित निगरानी प्रणाली और उपग्रह-आधारित सतर्कता एवं पूर्व-चेतावनी तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए। साथ ही पहाड़ों पर ऐसी गतिविधियों को भी सीमित करने की अत्यंत जरूरत है, जिनसे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, जो भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।

सांप और बिच्छू में किसका जहर ज्यादा खतरनाक?

जरा हट के

जब भी हम सांप या बिच्छू जैसे जीवों का नाम सुनते हैं, तो हमारे मन में डर बैठ जाता है. ये दोनों जीव जहरीले होते हैं और इनके काटने या डंक मारने पर इंसान की जान को खतरा हो सकता है लेकिन अक्सर लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर बिच्छू और सांप में से ज्यादा खतरनाक जहर किसका होता है. आज हम इस सवाल का जवाब पूरी सच्चाई के साथ जानेंगे और समझेंगे कि इन दोनों में कौन ज्यादा खतरनाक है.

दरअसल, सांप और बिच्छू दोनों ही जहरीले जीवों की श्रेणी में आते हैं लेकिन दोनों के जहर का असर, मात्रा और तरीका अलग होता है. सांप के जहर में न्यूरोटॉक्सिन या हेमोटॉक्सिन होते हैं. ये जहर नसों और खून पर असर डालते हैं और बहुत तेजी से शरीर के अंदर फैलते हैं. सांप के डंसने पर वह अपने जहर की बड़ी मात्रा छोड़ता है, जिससे इंसान की जान को तुरंत खतरा हो सकता है, खासकर अगर समय पर इलाज न मिले.

वहीं बिच्छू के डंक में भी न्यूरोटॉक्सिन पाया जाता है. यह जहर नसों पर असर डालकर शरीर के अंगों को पैरालाइज कर सकता है लेकिन बिच्छू अपने डंक से बहुत कम मात्रा में जहर छोड़ता है. यही वजह है कि बिच्छू का जहर सांप की तुलना में कम खतरनाक माना जाता है, हालांकि कुछ प्रजातियों का डंक जानलेवा भी हो सकता है.

बिच्छू का जहर सांप के जहर की तुलना में रासायनिक रूप से ज्यादा जहरीला हो सकता है लेकिन बिच्छू डंक मारते समय इतनी कम मात्रा में जहर छोड़ता है कि वह आमतौर पर जानलेवा साबित नहीं होता. दूसरी ओर सांप डंसते समय बड़ी मात्रा में जहर छोड़ता है, जिससे शरीर पर तेज असर होता है और अगर समय पर इलाज न मिले, तो मौत भी हो सकती है.

डॉक्टर योगेश शर्मा ने कहा बिच्छू का जहर इतना ताकतवर होता है कि वह अपने शिकार को कुछ ही देर में पैरालाइज कर देता है. यही वजह है कि जंगलों में या रेतीले इलाकों में पाए जाने वाले बड़े बिच्छू इंसानों के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं.दुनियाभर में बिच्छुओं की करीब 2500 प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें से करीब 30 प्रजातियां ऐसी हैं, जिनका जहर इंसानों के लिए खतरनाक होता है. इनके डंक से तेज दर्द, जलन, बुखार और नसों पर असर हो सकता है.

खाना-खजाना

बेसन-प्याज की सब्जी

सामग्री :

- बेसनः 1 कप
- प्याजः 2 बड़े
- टमाटरः 1
- अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 चम्मच
- हरी मिर्चः 2
- जीराः 1/2 चम्मच
- हल्दी पाउडरः 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडरः 1 चम्मच
- धनिया पाउडरः 1 चम्मच
- गरम मसालाः 1/2 चम्मच
- तेलः 2-3 चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- हरा धनियाः गार्निश के लिए

विधि :

सबसे पहले एक कटोरी में बेसन लें। इसमें थोड़ा सा नमक और चुटकी भर हल्दी डालकर पानी की मदद से एक गाढ़ा घोल बना लें। ध्यान रखें कि घोल में कोई गांठ न रहे। इसके बाद एक कड़ाही में तेल गरम करें। इसमें जीरा डालकर भूनें। अब बारीक कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड तक भूनें।

अब बारीक कटा हुआ टमाटर डालें और उसे नरम होने तक पकाएं। इसके बाद हल्दी, लाल मिर्च और धनिया पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें।

फिर जब मसाले अच्छी तरह भुन जाएं, तो कड़ाही में धीरे-धीरे बेसन का घोल डालें और लगातार चलाते रहें ताकि गांठें न पड़ें।

बेसन के घोल को तब तक पकाएं जब तक वह गाढ़ा न हो जाए और कड़ाही का किनारा न छोड़ने लगे। इस समय आप इसमें थोड़ा पानी मिला सकते हैं, जिससे ग्रेवी बन जाए।

नमक और गरम मसाला डालकर मिलाएं। धीमी आंच पर 2-3 मिनट और पकाएं। गैस बंद कर दें और ऊपर से हरा धनिया डालकर गार्निश करें।

आपकी गरमागरम बेसन-प्याज की सब्जी तैयार है। इसे रोटी, पराठा या चावल के साथ परोसें और इसका भरपूर आनंद लें। यह रेसिपी न सिर्फ स्वादिष्ट है, बल्कि यह आपके लंच को एक नया और शानदार ट्विस्ट देगी।

टीनएज बच्चों के साथ बेहतर बातचीत के लिए अपनाएं

दरअसल, टीनएज के दौरान यानी 13–19 साल, बच्चे 'पहचान बनाम भूमिका भ्रम' से गुजरते हैं। वे अपनी एक अलग पहचान बनाना चाहते हैं, लेकिन वे अपनी भूमिका भी खोज रहे होते हैं। उनकी यह दूरी एक स्वाभाविक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि आप उनसे जुड़ाव महसूस नहीं कर सकते।

टीनएजर्स की सबसे बड़ी शिकायत यही होती है कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं सुना जाता। उन्हें डर लगता है कि अगर उन्होंने अपनी कोई गलती या परेशानी बताई, तो उन्हें सलाह के बजाय डांट पड़ेगी, उन्हें जज किया जाएगा या फिर पुरानी बातें दोहराकर उनका मनोबल गिराया जाएगा। यही डर उन्हें चुप्पी साधने पर मजबूर कर देता है। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि कुछ छोटे और स्मार्ट बदलावों से आप इस दूरी को कम कर सकते हैं और एक ऐसा रिश्ता बना सकते हैं जहां आपका बच्चा आपसे खुलकर बात कर सके।

टीनएजर से बेहतर तालमेल बिठाने के 5 कारगर तरीके

बातचीत को फॉर्मल न बनाएं

बड़े-बड़े मुद्दों पर बात करने के लिए उन्हें सोफे पर बैठाकर एक फॉर्मल मीटिंग जैसा माहौल बनाने की जरूरत नहीं है। बेहतर है कि बातचीत को नॉर्मल रखें। खाना बनाते हुए, टीवी देखते हुए, या कोई काम करते हुए हल्के-फुल्के अंदाज में बात शुरू कर दें।

'कार-टॉक' से मदद मिलेगी

आमने-सामने बैठकर की जाने वाली गंभीर बातचीत का दबाव टीनएजर्स को अच्छा नहीं लगता। इसके बजाय, कार में सफर के दौरान बातचीत शुरू करें। आंख मिलाकर बात न होने से वे ज्यादा कम्फर्टेबल और ओपन महसूस करते हैं।

ध्यान रखें कि सवाल भी 'हां-ना' में जवाब देने वाले न हों। 'आज स्कूल का सबसे मजेदार चीज क्या हुई?' जैसे सवाल पूछें, ताकि वे बात कर सकें।

अपने रिएक्शन पर कंट्रोल रखें

अगर आपका बच्चा आपको कोई ऐसी बात बताए जो सुनकर आपको झटका लगे या गुस्सा आए, तो अपने रिएक्शन पर काबू रखें। चेहरे पर हैरानी, निराशा या गुस्सा दिखाने से वह तुरंत बात बंद कर देगा। इसके बजाय, गहरी सांस लेकर शांत रहें। ऐसा करने से उनके मन से डर खत्म होगा कि आप उन्हें डांटेंगे।

जज न करें

हमेशा अपनी बात एक जज की तरह न रखें, बल्कि एक दोस्त की तरह एक्साइटमेंट दिखाएं। 'तुमने ऐसा क्यों किया?' की जगह 'मैं समझना चाहता/चाहती हूं कि तुम्हारे लिए यह फैसला लेना क्यों जरूरी था?' जैसे सवाल पूछें। इससे बच्चा डरेगा नहीं, बल्कि अपनी सोच आपके सामने रखेगा।

सलाह देने से पहले पूछें: 'तुम क्या चाहते हो?'

जब भी आपका बच्चा कोई परेशानी लेकर आए, तो सबसे पहले उससे यह जरूर पूछें – क्या तुम मेरी सलाह चाहते हो या बस मुझे बस तुम्हारी बात सुननी है? इससे बच्चे को लगता है कि आप उसके इमोशन्स और फैसले लेने की क्षमता का सम्मान कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार–व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेचैनी रहेगी। थकान महसूस होगी। वरिष्ठजन सहयोग करेंगे।

वृषभ : वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा।

मिथुन : शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क : लेन–देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें।

सिंह : रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। चोट व दुर्घटना से बचें, वाहन संभलकर चलाएं।

कन्या : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम न उठाएं। घर–बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है।

तुला : धनार्जन सुगम होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन–पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। बेचैनी रहेगी।

वृश्चिक : नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। कानूनी बाधा आ सकती है। विवाद न करें।

धनु : बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा–पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मकर : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है। तनाव रहेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे।

कुंभ : आज के दिन कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मीन : आज धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर अचानक बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। कारोबार, रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धन के मामले में अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

अब आलू उबालने पर कुकर नहीं होगा काला, बस डाल दें ये चीज

भारतीय रसोई का प्रेशर कुकर का खूब इस्तेमाल होता है. चाहे दाल बनानी हो, चावल पकाना हो या आलू उबालने हों, कुकर हर घर की जरूरत है. लेकिन अक्सर आपने देखा होगा कि आलू उबालने के बाद कुकर का अंदरूनी हिस्सा काला पड़ जाता है. इससे न सिर्फ बर्तनों की चमक खराब होती है बल्कि बार-बार रगड़कर धोने की परेशानी भी झेलनी पड़ती है. महिलाएं अक्सर इस झंझट से परेशान रहती हैं. लेकिन अब आपको टेंशन लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि एक आसान सा घरेलू नुस्खा इस समस्या को झटपट खत्म कर सकता है.

इस्तेमाल का तरीका-

- सबसे पहले कुकर में आलू उबालने के लिए पानी डालें.
- ढक्कन बंद करने से पहले उसमें एक नींबू को चार टुकड़ों में काटकर डाल दें. अगर नींबू नहीं है तो उसका छिलका भी काफी है.
- अब कुकर बंद करें और सामान्य तरीके से आलू उबाल लें.
- दो से तीन सीटी लगने के बाद गैस बंद करें और प्रेशर खत्म होने का इंतजार करें.
- जब ढक्कन खोलेंगे तो पाएंगे कि कुकर अंदर से बिल्कुल साफ है और काला नहीं पड़ा.

क्यों पड़ता है कुकर काला?

दरअसल, जब आप कुकर में आलू या अन्य स्टार्च वाली चीजें उबालते हैं, तो उसमें मौजूद स्टार्च और मिनरल्स पानी के साथ मिलकर रिएक्शन करते हैं. ये रिएक्शन कुकर की धातु पर एक लेयर छोड़ देता है, जिससे अंदरूनी हिस्सा धीरे-धीरे काला पड़ने लगता है.

नींबू कैसे करता है काम?

नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड एक नैचुरल क्लीनिंग एजेंट है. जब आप कुकर में आलू के साथ नींबू या उसका छिलका डालते हैं, तो यह एसिड उस रिएक्शन को रोक देता है जो कुकर को काला करता है. साथ ही यह धातु की सतह को साफ और चमकदार बनाए रखता है.

नींबू का ये टोटका न सिर्फ कुकर को बचाता है बल्कि आलू पर भी हल्की-सी फ्रेश खुशबू छोड़ देता है. साथ ही आलू का स्वाद भी अच्छा बना रहता है. इतना ही नहीं, कुकर को ज्यादा रगड़-रगड़ कर धोने की जरूरत भी नहीं पड़ती.

दाल बनाते समय पहले नमक डालें या हल्दी

अक्सर यह सवाल उठता है कि दाल बनाते समय पहले नमक डालें या हल्दी? यह छोटा सा निर्णय वास्तव में दाल के स्वाद, रंग और पकने की प्रक्रिया पर असर डाल सकता है. दाल बनाना वैसे सभी को बहुत आसान काम लगता है, लेकिन ये जितना आसान लगता है, उतना है नहीं. तो आइए जानते हैं, दाल बनाने का सही तरीका और इसके पीछे का वैज्ञानिक कारणः

1. हल्दी पहले डालें, नमक बाद में

हल्दी : हल्दी को दाल पकाते समय शुरू में डालना सबसे अच्छा होता है. जब आप दाल को पानी में उबालते हैं, तो हल्दी के औषधीय गुण और रंग दाल में अच्छी तरह घुल जाते हैं. इससे दाल का रंग सुनहरा होता है और हल्दी की एंटीसेप्टिक विशेषताएं भी बरकरार रहती हैं.

नमक : नमक को दाल पूरी तरह पक जाने के बाद डालना चाहिए. इसका कारण यह है कि नमक पानी की उबालने की प्रक्रिया को धीमा कर देता है और दाल को नरम होने में अधिक समय लग सकता है. खासकर अरहर या चना दाल जैसी मोटी दालों में यह असर ज्यादा होता है.

2. दाल पकाने का सही तरीका

- सबसे पहले दाल को अच्छी तरह धो लें.
- फिर इसे कुकर या पतीले में पानी के साथ डालें.
- इसमें हल्दी और थोड़ा सा तेल डालें, तेल दाल को फोम बनने से बचाता है.
- अब दाल को पकने दें. कुकर में 2–3 सीटी या पतीले में 20–30 मिनट तक.
- जब दाल पूरी तरह पक जाए, तब नमक डालें और अच्छे से मिलाएं.
- इसके बाद तड़का लगाएं, जिसमें राई, जीरा, हींग, करी पत्ता, लहसुन, प्याज आदि शामिल हो सकते हैं.

3. स्वाद और सेहत पर असर

- हल्दी पहले डालने से दाल का रंग और स्वाद बेहतर होता है, और यह पाचन में भी मदद करती है.
- नमक बाद में डालने से दाल जल्दी पकती है और उसका टेक्सचर मुलायम रहता है.
- यह तरीका पोषण को भी बनाए रखता है, क्योंकि हल्दी और दाल दोनों के गुण सही तापमान पर सक्रिय रहते हैं.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

अवैध संबंधों के शक में पत्नी को उतारा मौत के घाट

गोरखपुर. गोरखपुर में पति ने अवैध संबंधों के शक में अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के दौरान पत्नी एक स्टूडियो में फोटो लेने गई थी। बाहर आते ही उसने पत्नी के सीने और सिर के पास दो गोलियां दाग दीं। गोली लगते ही महिला तड़पने लगी। उसे पास के प्राइवेट अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद आरोपित वहीं खड़ा रहा। बेटी की तहरीर पर पुलिस ने हत्या की रिपोर्ट लिखकर पति को गिरफ्तार कर पिस्टल बरामद कर ली है। गुलरिहा इलाके के हरसेवकपुर निवासी ममता चौहान अपने 13 वर्षीय बेटी मुक्ति चौहान के साथ घोसीपुरवा में किराए के कमरे में रहती थी। वह बैंक रोड पर एक प्राइवेट संस्था में काम करती थी। पति विश्वकर्मा चौहान मजदूरी करता है। पिछले 14 महीने से पति-पत्नी के रिश्ते ठीक नहीं थे। इस वजह से पति अलग रहता था। पति को संदेह था कि उसकी पत्नी का किसी से अवैध संबंध हो गया है।

जीआरपी थाने में फेयरवेल पार्टी के दौरान चल गईं गोलियां, इंस्पेक्टर-सिपाही घायल, चार सस्पेंड

बरेली. बरेली जंक्शन स्थित जीआरपी थाने में फेयरवेल पार्टी के दौरान खासा बवाल हो गया। पार्टी के दौरान इंस्पेक्टर और सिपाही पिस्टल को लोड-अनलोड करने लगे। दोनों के पिस्टल से एक-एक गोली चली जिसमें दोनों बुरी तरह से घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। हैरान कर देने वाली तो यह है कि इतना बड़ी घटना की जानकारी किसी भी बड़े अफसर को नहीं हुई। पुलिसकर्मी दो दिनों तक मामले को दबाए बैठे रहे। थाने में गोली चलने की जानकारी जब जीआरपी अफसरों को लगी तो आनन-फानन में चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया। घटना की जांच सीओ को सौंपी गई है।

स्कूल बस का इंतजार कर रही LKG की छात्रा को डंपर ने रौंदा, मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल

अयोध्या. यूपी के अयोध्या में इनायत नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार की सुबह स्कूली बस का इंतजार कर रही एक एलजी की छात्रा को डंपर ने रौंद दिया। हादसे में छात्रा की मौत हो गई। पूरा कलंदर थाना क्षेत्र के कुरावां प्रभात नगर स्थित इन्नोवेटिव माइंड एकेडमी के एलकेजी में पढ़ने वाली छात्रा स्तुति 5 वर्ष पुत्री विद्यासागर रोज की तरह गुरुवार को भी अपने स्कूल आ रही थी। इनायत नगर थाना क्षेत्र के चकनवा गांव की रहने वाली यह छात्रा अपने गांव से थोड़ी दूर पर सड़क किनारे स्कूल जाने के लिए स्कूली बस का इंतजार कर रही थी इसी दौरान उधर से गुजर रही एक डंपर ने छात्रा को रौंद दिया। मामले की जानकारी पर परिजनों ने उसको जिला अस्पताल पहुंचा तो इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया।

'भारतीय ज्ञान परंपरा' (IKS) ; शैक्षिक विकास का दस्तावेज़

समीक्षा

समीक्षक : सहा. प्रा. प्रफुल केदारे
(kedarepraful@gmail.com)

जुबान पर जाएका आता था
जो सफ़हे पलटने का
अब उँगली 'क्लिक' करने से
बस इक झपकी गुजरती है

दार्शनिक-गीतकार गुलजार के ये शब्द, एक भौतिक पुस्तक पढ़ने और डिजिटल पढ़ने के बीच के अंतर को उजागर करते हैं। एक भौतिक पुस्तक पढ़ने से जो उत्साह, जिज्ञासा, आनंद मिलता है और हर पन्ना पलटने पर उंगलियों पर पानी के स्पर्श से जो जबान पर स्वाद आता है, उसकी बराबरी आधुनिक डिजिटल स्क्रीन टच से नहीं की जा सकती। भारत में गुरुकुल से शुरू हुई शैक्षिक परंपरा का सफ़र मौखिक, साहित्यिक, मुद्रण प्रणाली से होते हुए आज के डिजिटलीकरण तक पहुँच गया है। चाहे आर्यभट्ट का शून्य हो, ध्यान, योग जैसी शिक्षा पद्धतियाँ आज भारत ने दुनिया को दी हैं। साथ ही, गूगल या कई अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट संगठनों में भारतीयों को अग्रणी के रूप में देखा जाता है। यह सटीक अवलोकन 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पुस्तक से लिया गया है। जिसे आज शैक्षिक विकास का एक उत्कृष्ट दस्तावेज़ माना जा सकता है।

हजारों वर्षों की भारतीय ज्ञान परंपरा से लेकर आज की डिजिटल शिक्षा तक। वह दस्तावेज़ जो की अवधारणा प्रस्तुत करता है एसएसटी कॉलेज, उल्हासनगर कैंप के तीन अनुभवी और विद्वान प्राध्यापकों द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतीय ज्ञान परंपरा' में इस पद्धति का अनुभव किया जा रहा है। 4. भारत में वेद, चिकित्सा, उपनिषद, पुराण, दर्शन, गणित, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, योग और अन्य विषयों की ऐतिहासिक जड़ें भारतीय ज्ञान परंपरा में हैं। भारत की समग्र संस्कृति और व्यवस्था पर इसका प्रभाव किस प्रकार पड़ा है? आसपास के कई देशों और वैश्विक स्तर पर इनके प्रभाव किस प्रकार प्रभावी रूप से देखे गए हैं? रामायण, महाभारत, बाइबिल, कुरान, जीवन के नैतिक मूल्य ही हमें शक्ति प्रदान करते हैं। इस पुस्तक का उद्देश्य इसी के महत्व को समझाना है।

मूल पारूप :

डॉ. प्रो. दीपक गावंडे, डॉ. प्रो. सुवर्णा अहिरे और सहा. प्रो. सबा शेख, एसएसटी कॉलेज में जनसंचार अध्ययन के अनुभवी और विशेषज्ञ, जो उल्हासनगर में दो दशकों से अधिक समय से ज्ञान प्रदान कर रहे हैं। शिक्षकों ने इस पुस्तक में भारत की इस ज्ञान परंपरा के कई पहलुओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। 127 पृष्ठों की यह पुस्तक ईगल लीप द्वारा प्रकाशित की गई है। लीप प्रिंटर्स एंड पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड। यह पुस्तक 2020 की नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम और छात्रों के संदर्भ के लिए एक सशक्त माध्यम बनने के संकेत देती है। इसका आवरण ही भारत की विभिन्न शिक्षा धाराओं का दर्शन कराता है। हालाँकि, यदि इसमें आधुनिक शिक्षा प्रणाली का प्रतीक होता तो यह और भी प्रभावशाली होती। इस पुस्तक समीक्षा का उद्देश्य इस पुस्तक के माध्यम से अनेक शैक्षिक क्षेत्रों का अवलोकन कराना है, साथ ही सांस्कृतिक, शैक्षिक और सामाजिक मूल्यांकनों का मानकीकरण करना है। और यह अधिकांशतः सफल भी प्रतीत होता है। मुख्य बात यह है कि लेखकों ने कृतज्ञता में अपने माता-पिता जितना ही सम्मान अपने गुरुजनों, अर्थात् एसएसटी कॉलेज के संस्थापक अध्यक्ष, प्राचार्य डॉ. जे. सी. पुरस्वानी और समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी को दिया है।

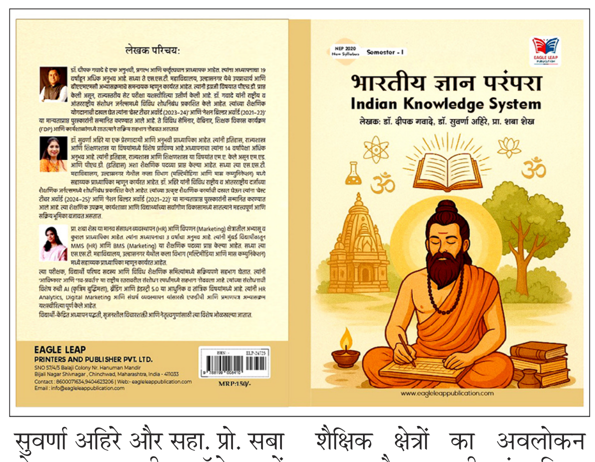

चुनौतियाँ:

वास्तव में, इनमें से कुछ बिंदुओं का और अधिक विश्लेषण किया जा सकता था। या भारतीय ज्ञान परंपरा में पश्चिमी शिक्षा प्रणाली का भी पर्याप्त समावेश अपेक्षित था। इससे छात्रों के लिए नारबी को इन दो विशाल शाखाओं का अध्ययन करना आसान हो जाता।

सारांश:

- इन तीनों लेखकों ने इस पुस्तक में वनवासी आश्रमों से लेकर आज की कक्षा तक के सफ़र को मोबाइल स्क्रीन पर सफलतापूर्वक प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। न केवल घर पर शिक्षा, बल्कि यह भी कि भारत की गुफाएँ, गुफाएँ, स्तंभ, शिलालेख और पुस्तकालय सभी आपस में जुड़े हुए हैं और उन्होंने भारतीय जीवन स्तर को कैसे प्रभावित किया है, यह भी इस पुस्तक में ठोस मुद्दों के आधार पर स्पष्ट किया गया है।
- यह पुस्तक ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के बारे में बात करती है। यह नई पीढ़ी के लिए संशोधित करके एक मार्गदर्शक का काम भी करती है। व्यावहारिक शिक्षा तकनीकों से लेकर जिन्हें जीवन में अनुशासित होना चाहिए और जीवन नैतिकता के स्तंभ पर होना चाहिए, आज के अत्याधुनिक डिजिटलीकरण तक, इस पुस्तक में संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है। यह पुस्तक न केवल मुंबई विश्वविद्यालय के नेतृत्व में जनसंचार का अध्ययन करने वाले कुशल पाठकों के लिए, बल्कि कला शाखा के कई उप-विषयों के लिए भी निश्चित रूप से उपयोगी होगी।
- भारतीय शिक्षा प्रणाली अरबी और संस्कृत से प्रभावित है। हालाँकि, समय के साथ, लॉर्ड मैकॉले ने 1935 में भारत में 'मैकॉल मिनट' शिक्षा नीति को अपनाया। अंग्रेजों ने अपने व्यवसाय के लिए एक अंग्रेजी सीखने वाला बौद्धिक वर्ग बनाया, कक्षा की अवधारणा बदल गई, उस वर्ग ने अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से यहाँ हाशिए पर पड़े लोगों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाया। पुस्तक में यह संदर्भ आज भारतीयों को दुनिया से जोड़ने के लिए एक आसान कड़ी के रूप में उपलब्ध है। धर्म, आस्था, संस्कृति और नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला, वल्लभभाई पटेल से लेकर बुद्धकालीन कांची विश्वविद्यालय तक के विज्ञान के विभिन्न पहलुओं या गार्गी, मैत्री, लोपामुद्रा से लेकर सावित्रीबाई फुले, बहिनाबाई चौधरी तक स्त्री शिक्षा के विभिन्न पहलुओं को लेखकों ने चित्रित किया है।

निष्कर्ष:

'भारतीय ज्ञान परंपरा' पुस्तक न केवल भारत की शैक्षिक और सांस्कृतिक परंपरा का एक दस्तावेज है, बल्कि यह मनुष्य की बौद्धिक, आर्थिक और शारीरिक क्षमताओं पर एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने वाला माध्यम भी बनेगी। यह शोध और अध्यात्म में भी अगली पीढ़ी का मार्गदर्शन करेगी।

यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में भारत का रोल अहम

नई दिल्ली. चीन की यात्रा से लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ फोन पर बातचीत की। इस बातचीत की जानकारी देते हुए उर्सुला ने कहा कि यूक्रेन में चल रहे युद्ध को रोकने में भारत की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि रूस और उसके आक्रामक युद्ध को समाप्त करने और शांति की दिशा में एक रास्ता बनाने में भारत की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। इतना ही नहीं उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति के लगातार संपर्क में रहने के लिए भी भारत को धन्यवाद दिया। सोशल मीडिया साइट एक्स पर इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए लेयेन ने यूक्रेन युद्ध को वैश्विक चिंता बताया।

IPL स्टेडियम में देखना हुआ महंगा

- सरकार ने लग्जरी मानकर 40% टैक्स लगाया
- बाकी मैच 18% की कैटेगरी में
- GST बदलाव से क्या सस्ता-क्या महंगा!

नई दिल्ली. GST परिषद ने बुधवार को टैक्स स्लैब में बड़े बदलावों को मंजूरी दे दी है जिसके तहत रोजमर्रा के उपयोग में आने वाले सामानों पर जीएसटी दरों में भारी कटौती की गई है। अब देश में GST के तहत 5 और 18 फीसदी के दो टैक्स स्लैब ही होंगे। सिन गुड्स और विलासिता की वस्तुओं जिसमें लग्जरी कारें, तंबाकू और सिगरेट शामिल हैं लिए भी 40 फीसदी का एक विशेष स्लैब बनाया गया है। निर्मला सीतारमण ने GST परिषद की 56वीं बैठक के बाद के बाद इन बदलावों की घोषणा की है।

अब क्रिकेट फैंस को स्टेडियम में आईपीएल मैच देखने के लिए ज्यादा पैसे देने पड़ेंगे, क्योंकि सरकार ने जीएसटी की दर 28% से बढ़ाकर 40% कर दी है। GST काउंसिल की 56वीं मीटिंग में इस पर फैसला लिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 3 सितंबर को इसकी जानकारी दी।

नई टैक्स व्यवस्था ने आईपीएल जैसे इवेंट्स को लग्जरी एक्टिविटी माना है और इसे तंबाकू उत्पादों और कसीनो जैसी सर्विसेज की ही कैटेगरी में रखा है। हालांकि, आम क्रिकेट मैचों पर अभी भी 18% जीएसटी ही लागू रहेगा। यानी ये बदलाव सिर्फ प्रीमियम स्पोर्ट्स इवेंट्स के लिए है।

GST में बदलाव से कैसे बदलेंगे IPL टिकट के दाम?
मान लीजिए की आईपीएल की टिकट की कीमत 1000 रुपए हैं...
पहले: 1000 + (28% यानी 280 रुपए) = 1280 रुपए।
अब : 1000 + (40% यानी 400 रुपए) = 1400 रुपए।
बढ़ोतरी : 1400–1280 = 120 रुपए प्रति टिकट।

दूसरी ओर, 100 रुपए तक की सिनेमा टिकटों पर सिर्फ 5% जीएसटी लगेगा, जो पहले 12% था। लेकिन 100 रुपए से ज्यादा की टिकटों पहले की तरह 18% जीएसटी लगेगा। वहीं, होटल बुकिंग, सौंदर्य और सेहत से जुड़ी सेवाओं पर जीएसटी को घटाकर 5% कर दिया गया है।

बिहारियों को हल्के में ना लें गुजराती

- मोदी को गाली के खिलाफ बिहार बंद से भड़के लालू यादव

पटना. राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी को दी गई मां की गाली के खिलाफ एनडीए दलों के बिहार बंद का विरोध किया है और कहा कि बिहारियों को गुजराती लोग हल्के में ना लें। मोदी को गाली प्रकरण में भारतीय जनता पार्टी समेत एनडीए के सारे दलों ने बिहार बंद किया है। राज्य के सभी जिलों में एनडीए दलों के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे हैं। बंद के दौरान राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के खिलाफ नारबाजी भी हुई है। लालू ने एक ट्वीट में मोदी के साथ भाजपा पर हमला किया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लालू यादव ने लिखा है, 'क्या प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपाइयों को आदेश दिया है कि आज पूरे बिहार और बिहारियों की माताओं-बहनों और बेटियों को गाली दो? गुजराती लोग बिहारियों को इतने हल्के में ना लें? यह बिहार है। बीजेपी के गुंडे-मव्वाली सम्मानित शिक्षिकाओं, राह चलती महिलाओं, छात्राओं, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और पत्रकारों को गालियां दे रहे है, उनके साथ हाथापाई कर दुर्व्यवहार कर रहे है? क्या यह उचित है?'

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी को गाली को उनकी मां का अपमान बताकर सियासत जोरों पर है। गुरुवार को सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक बंद का ऐलान किया गया था। सभी जिलों से बंदी की खबरें आई हैं। कई जिलों में उग्र प्रदर्शन भी हुए। हालांकि ट्रेन और आवश्यक सेवाओं को बंद से मुक्त रखा गया था। बिहारशरीफ में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू भी जाम में फंस गए।

भाजपा चीफ-व्हिप को मार्शलों ने घसीटकर निकाला, बेहोश हुए

- 3 विधायक सस्पेंड
- ममता ने सदन में मोदी चोर-वोट चोर के नारे लगाए

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा में गुरुवार को जमकर हंगामा हुआ। बंगाली प्रवासियों पर हो रहे अत्याचारों पर सत्ता पक्ष की ओर से लाए प्रस्ताव पर चर्चा की जा रही थी। इस दौरान विपक्ष (भाजपा) ने नारेबाजी की।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रस्ताव पर बोल रहीं थीं। तभी भाजपा विधायकों ने 2 सितंबर को विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के निलंबन पर सवाल उठाते हुए नारे लगाए, जिसका TMC विधायकों ने विरोध किया। स्पीकर बिमान बनर्जी ने अव्यवस्था फैलाने के आरोप में भाजपा के चीफ व्हिप शंकर घोष को विधानसभा से सस्पेंड कर दिया। घोष के बाहर जाने से इनकार करने पर मार्शलों को बुलाया गया और उन्हें घसीटकर सदन से बाहर निकाला गया।बाहर निकालते समय वो

गिरकर बेहोश हो गए, उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। घोष के अलावा दो अन्य भाजपा विधायक अग्निमित्र पॉल और मिहिर गोस्वामी को भी सदन से निलंबित कर दिया गया है। वहीं स्पीच के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने मोदी चोर और वोट चोर के नारे लगाए। उन्होंने कहा- भाजपा की तानाशाही और औपनिवेशिक मानसिकता है, वह बंगाल को अपना उपनिवेश बनाना चाहती है।

बारिश से पहाड़ों पर तबाही का कारण इंसान -SC

- प्रकृति अवैध पेड़ कटाई का बदला ले रही
- केंद्र, हिमाचल, J&K, उत्तराखंड, पंजाब को नोटिस

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पंजाब में बारिश से हो रही तबाही पर चिंता जताई है। कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि यह सिर्फ प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि इंसानों का पैदा किया गया संकट है। कोर्ट ने कहा - पहाड़ों पर अवैध पेड़ कटाई ने प्रकृति को क्रोधित कर दिया है, अब वह बदला ले रही है।

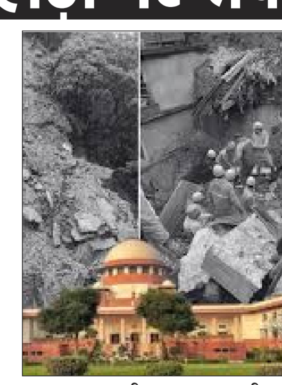

मुख्य न्यायाधीश (CJI) बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने गुरुवार को अनामिका राणा की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही है।

कोर्ट ने केंद्र और इन चारों राज्यों समेत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), पर्यावरण मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को नोटिस भेजा और तीन हफ्तों में जवाब मांगा। साथ ही केंद्र से ठोस कदम उठाने को कहा है।

याचिकाकर्ता अनामिका राणा ने कोर्ट में कहा कि हिमाचल में बाढ़ के दौरान बड़ी संख्या में लकड़ियां बहकर आईं, जिससे साफ है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई हुई है। अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

इस पर बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, इन आपदाओं के पीछे पहाड़ों पर अवैध पेड़ कटाई एक बड़ी वजह है। पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है इसलिए अब प्रकृति बदला ले रही है।

मेहता ने कहा कि वह पर्यावरण और वन मंत्रालय के सचिव से संपर्क करेंगे और उनसे पूरी जानकारी मांगेंगे। उन्होंने कहा कि हमने प्राकृतिक चीजों के साथ हस्तक्षेप किया है कि अब वह हमें नुकसान पहुंचा रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर सहमति जताई।

लेग स्पिनर अमित मिश्रा सभी फॉर्मेट से रिटायर

- 2017 में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच
- IPL में तीन हैट्रिक लेने वाले इकलौते गेंदबाज

लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। 42 साल के मिश्रा ने 2003 में बांग्लादेश में वनडे ट्राई सीरीज के दौरान इंटरनेशनल डेब्यू किया था।

मिश्रा ने 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वे IPL में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज है।

IPL में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 7वें बॉलर

उन्होंने आखिरी IPL मैच 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला था। वे 162 मैचों में 174 विकेट लेकर सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। मिश्रा लीग के इतिहास में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। उन्होंने IPL में अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हुए तीन हैट्रिक लिए। जिसमें 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स, 2011 में किंग्स इलेवन पंजाब और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद शामिल है।

मेरे जीवन के ये 25 साल यादगार रहे

उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, क्रिकेट में मेरे जीवन के ये 25 साल यादगार रहे हैं। मैं BCCI, प्रशासन, हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन, सहयोगी स्टाफ, अपने सहयोगियों और अपने परिवार के सदस्यों का तहे दिल से आभारी हूं, जो इस दौरान मेरे साथ रहे। उन्होंने आगे कहा, मैं उन फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिनके प्यार और समर्थन ने जब भी और जहां भी मैंने खेला, इस सफर को यादगार बना दिया। क्रिकेट ने मुझे अनगिनत यादें और अमूल्य सीख दी हैं, और मैदान पर बिताया हर पल एक ऐसी याद बन गया है जिसे मैं जीवन भर संजो कर रखूंगा।

मणिपुर को नगालैंड से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे खुलेगा

- मैतेई-कुकी हिंसा के बाद 2 साल से बंद था

इंफाल. मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के बीच गुरुवार को कुकी-जो (Kuki-Zo) काउंसिल राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (NH-2) को पूरी तरह खोलने को तैयार हो गई। अब इस मार्ग से लोगों और जरूरी सामान की आवाजाही बिना रुकावट हो सकेगी। गृह मंत्रालय (MHA) के मुताबिक, कुकी-जो काउंसिल सुरक्षा बलों के साथ NH-2 पर शांति बनाए रखने में सहयोग करेगी। यह हाईवे मणिपुर को नगालैंड और पूर्वोत्तर से जोड़ने वाली जीवन रेखा है, जो मई 2023 में भड़की मैतेई और कुकी समुदायों की हिंसा के बाद से बंद था। दिल्ली में गुरुवार को केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुकी संगठनों (कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन-KNO और यूनाइटेड पीपल्स फ्रंट-UPF) के बीच त्रिपक्षीय बैठक हुई।

बैठक के अंत में नया सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (SoO) करार साइन किया गया। यह समझौता एक साल के लिए प्रभावी रहेगा और इसमें नई शर्तें जोड़ी गई हैं।

केंद्र और कुकी के बीच 7 मुद्दों पर सहमति

- मणिपुर की क्षेत्रीय एकता बनी रहेगी।
- शांति और स्थिरता के लिए बातचीत से हल निकाला जाएगा।
- अपने 7 निर्दिष्ट कैंप संवेदनशील इलाकों से हटाकर सुरक्षित जगहों पर ले जाएंगे।
- हथियारों को CRPF और BSF के नजदीकी कैंपों में शिफ्ट किया जाएगा।
- सुरक्षा बल हर उग्रवादी की कड़ी जांच करेंगे और किसी भी विदेशी नागरिक को लिस्ट से हटाया जाएगा।
- अब एक संयुक्त मॉनिटरिंग ग्रुप इन शर्तों की सख्ती से निगरानी करेगा। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि अगर कोई उल्लंघन हुआ तो SoO समझौते की समीक्षा कर उसे रद्द भी किया जा सकता है।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले पर अब सियासत गरमाई

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में कथित शिक्षक भर्ती घोटाले ने राजनीतिक हलचल तेज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से जारी 1804 दागी उम्मीदवारों की सूची में सबसे ज्यादा नाम सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेताओं के करीबियों के हैं। इनमें से करीब 72% यानी 1300 सीधे तौर पर टीएमसी से जुड़े परिवारों के लोग हैं। विपक्षी भाजपा ने सबसे अधिक शोर मचाया, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि सूची में भाजपा नेताओं के परिजनों के नाम भी शामिल हैं। विपक्ष ने विधानसभा में जोरदार हंगामा किया और सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग उठाई।

ईडी ने कोर्ट में दावा किया है कि इस घोटाले में 300 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है और तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा की सिफारिश पर 75 लोगों को नौकरी मिली। सीपीएम और कांग्रेस ने भी सरकार पर हमला बोला है। वहीं, तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष का कहना है कि कई लोग गिरफ्तार हुए हैं और जांच जारी है, लेकिन भाजपा और सीपीएम को बोलने का नैतिक अधिकार नहीं है।

ED ने स्कूल भर्ती घोटाले मामले में TMC विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। ED की टीम रेड के लिए पहुंची थी, लेकिन विधायक को इसकी जानकारी मिल गई।

उल्हासनगर महानगरपालिका

परिशिष्ट - 10

उल्हासनगर महानगरपालिका सार्वत्रिक निवडणूक 2025 जाहीर सूचना

उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या सन 2025 मध्ये होणा-या सार्वत्रिक निवडणुकीसाठी प्रारुप प्रभागांच्या भौगोलिक सीमा प्रसिध्द करण्यासाठी आणि त्यावर हरकती व सूचना मागविण्यासाठी खालीलप्रमाणे कार्यक्रम जाहीर करण्यात येत आहे :-

1	प्रभागांच्या भौगोलिक सीमा प्रसिद्धीची अधिसूचना प्रसिद्ध करण्याचा दिनांक	बुधवार, दिनांक 03 सप्टेंबर, 2025
2	हरकती व सूचना सादर करण्याचा कालावधी (हरकती व सुचना महानगरपालिका आयुक्त यांच्याकडे निवडणूक कार्यालय अथवा संबंधित प्रभाग कार्यालयाचे मुख्यालय येथे सादर कराव्यात)	बुधवार, दिनांक 03 सप्टेंबर, 2025 ते सोमवार, दिनांक 15 सप्टेंबर, 2025 (दुपारी 3.00 वा. पर्यंत)

टिप :
1) ऑनलाईन, ई-मेल, व महानगरपालिका संकेतस्थळावर आलेल्या हरकती व सूचना स्वीकारल्या जाणार नाहीत.
2) प्रभागांच्या भौगोलिक सीमांची प्रारुप अधिसूचना महानगरपालिका मुख्यालय व प्रभाग समिती कार्यालय क्रमांक 1 ते 4 येथे उपलब्ध आहेत. तसेच महानगरपालिकेच्या संकेतस्थळावर [www.umc.gov.in] उपलब्ध करण्यात आलेले आहेत.
3) हरकती व सुचना दाखल करणा या नागरिकांना सुनावणीकरिता उपस्थित राहण्यासाठी स्वतंत्रपणे कळविण्यात येईल

सही/-
मनिषा आव्हाळे, (भा.प्र.से)
आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

ठिकाण : उल्हासनगर
दिनांक : दिनांक 03 सप्टेंबर, 2025
जा.क्र. उमपा/ पीआरओ / 287/2025
दि. 04/09/2024

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

दिवा से 80 वर्षीय बुजुर्ग घर से लापता

दिवा. दिवा से 28 अगस्त को एक 80 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति अचानक घर से निकल लापता हो जाने का मामला सामने आया है। आसपास खोजबीन के बाद आखिरकार मुंब्रा पुलिस थाने में उसके गुमशुदगी का मामला परिजनों ने दर्ज कराया। मालूम हो कि 28 अगस्त 2025 को दोपहर पौने 3 बजे के पूर्व ही घर से उक्त व्यक्ति बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गए। लेकिन आज तक वापस नहीं आया। उक्त बुजुर्ग व्यक्ति दिवा पूर्व कमला करामाती चाल, नालंदा स्कूल के पास अपने परिजनों के साथ रहते थे। लापता बुजुर्ग मुरली शिवधारी धिवर (80) है। 28 अगस्त को दोपहर पौने 3 बजे घर से बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गए। लेकिन आज तक घर पर वापस नहीं आई।

दलदल में मिले सिर के कातिल का चला पता

- हैरान कर रही इम्तियाज और मुस्कान की प्रेम कहानी

भिवंडी. भिवंडी से दिल दहला देने वाली एक खबर सामने आई, जिसमें एक शख्स ने अपनी ही प्रेमिका से पत्नी बनी महिला का सिर काटकर धड़ से अलग कर दिया क्योंकि उसे शक था कि उसकी पत्नी उसके पीठ पीछे किसी और के साथ चक्कर चला रही थी। इस वीभत्स हत्याकांड से भिवंडी में सनसनी मच गई है। बहरहाल पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम मोहम्मद उर्फ सोनू इम्तियाज अंसारी है, जिसकी उम्र 25 साल है और पेशे से ट्रक ड्राइवर है।

दो साल पहले सोशल मीडिया पर उसकी दोस्ती 22 साल की परवीन उर्फ मुस्कान से हुई थी। बाद में दोस्ती मोहब्बत में तब्दील हो गई और फिर दोनों ने शादी कर ली लेकिन जल्द ही उनकी लव स्टोरी का द एंड हो गया। पुलिस के मुताबिक इम्तियाज अंसारी को शक था कि उसकी बीवी उसके पीठ पीछे गैर मर्द से चक्कर चला रही है। जब एक दिन उसकी पत्नी ने एक साल के बेटे को पीटा तो पति-पत्नी में विवाद इस कदर बढ़ा कि इम्तियाज ने मुस्कान की जिंदगी ले ली। पुलिस के मुताबिक, पहले दोनों पति-पत्नी में विवाद हुआ फिर मारपीट तक नौबत आई। उसके बाद इम्तियाज ने 28 अगस्त को तेज हथियार से मुस्कान का सिर धड़ से अलग कर बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद वह वहां से फरार हो गया। हालाँकि, अब आरोपी ने हत्या की बात कबूल कर ली है लेकिन हत्या के कारणों को ठोस जवाब नहीं दे सका है।

इस मामले में पुलिस ने भोईवाड़ा थाने में हत्या और सबूत मिटाने का मामला दर्ज कर प्रेमी इम्तियाज अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। यह दंपती भिंवडी शहर की एक बस्ती में रहता था। आरोपी ट्रक ड्राइवर है, जो अक्सर बाहर रहता था लेकिन उसकी पत्नी मुस्कान रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती थी। इसी वजह से दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। महाराष्ट्र टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मुस्कान ने भिवंडी शहर में ईदगाह इलाके में खाड़ी से 20 मीटर दूर किराए के एक कमरे में ये लोग रहते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे के चरित्र पर शक करते थे इसी वजह से दोनों के बीच हमेशा झगड़ा होता रहता था।

इम्तियाज का कबूलनामा

पुलिस जाँच के दौरान पता चला कि ड्राइवर इम्तियाज लापता है। आखिरकार पुलिस ने उसे 1 सितंबर को धर दबोचा। पुलिस पूछताछ में उसने पत्नी की हत्या की बात कबूल कर ली।उसने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच एक-दूसरे के चरित्र पर शक को लेकर अक्सर बहस होती रहती थी। इसी वजह से उनमें मारपीट होती थी।इसी झगड़े के दौरान उसने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। इम्तियाज ने बताया कि उसने अपनी पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और शव के दो टुकड़े कर दिए और सबूत मिटाने की कोशिश में उन्हें तेज़ लहरों के बीच खाड़ी में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 11 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

दलदल में महिला का कटा सिर मिला

इस बीच, 30 अगस्त को ईदगाह बस्ती के पास खाड़ी के पास दलदल में एक महिला का कटा हुआ सिर मिला। पुलिस शव की पहचान नहीं कर पा रही थी, तभी लोगों ने मुस्कान का लापता होने की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश और सिर की जांच करनी शुरू की तो चौंकाने वाले खुलासे सामने आए। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि शव परवीन उर्फ मुस्कान नाम की महिला का ही है।

गावदेवी मंदिर से चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

- चोरी के चार घंटे में पुलिस ने की गिरफ्तारी

कल्याण. डोंबिवली पूर्व के आयरे गाँव स्थित गावदेवी मंदिर में मंगलवार रात 12 बजे से आधी रात के बीच दानपेटी से 37,000 रुपये चुराने वाले आयरे क्षेत्र के तुकारामनगर निवासी एक स्थानीय युवक को रामनगर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जानकारी के आधार पर गिरफ्तार कर लिया है। इस युवक का नाम संभाजी राम बिराजदार (25) है। वह डोंबिवली पूर्व के तुकारामनगर स्थित शेवंती छाया बिल्डिंग में अपने परिवार के साथ रहता है।

आयरेगाँव में एक गावदेवी मंदिर है। मंगलवार रात गावदेवी मंदिर में शाम की पूजा के बाद, मंदिर को ताला लगाकर बंद कर दिया गया था। बुधवार की सुबह, श्रद्धालु ग्राम देवी की पूजा करने के लिए गावदेवी मंदिर में आने लगे। उन्होंने पाया कि मंदिर के मुख्य द्वार का हैंडल और ताला टूटा हुआ था। मंदिर में दानपेटी उलटी पड़ी थी। इसकी सूचना तुरंत आयरे गांव की गावदेवी प्रबंधन समिति को दी गई। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य मंदिर आए। उन्होंने पाया कि गावदेवी मंदिर से दानपेटी से पैसे चोरी हो गए थे। गावदेवी मंदिर प्रबंधन समिति की शिकायत पर रामनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश जवादवाड़ ने तुरंत एक विशेष पुलिस दल का गठन किया और सहायक पुलिस निरीक्षक मुपड़े और उप-निरीक्षक चव्हाण को मामले की जांच करने का निर्देश दिया। इस दल ने गावदेवी मंदिर क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। उस समय, उन्होंने गावदेवी मंदिर से कुछ दूरी पर एक युवक को रिक्शा में आते देखा। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, वहां से उसने लक्ष्मण रेखा भवन के पास रिक्शा रोका और वहां से वह पैदल ही गावदेवी मंदिर जा रहा था। युवक ने पहचान छिपाने के लिए लाल रंग की हुडी जैकेट पहनी हुई थी। जब संभाजी बिराजदार गावदेवी मंदिर के पास पहुंचा, तो उसने किसी नुकीली चीज से मंदिर के मुख्य द्वार का ताला तोड़ दिया। उसने मंदिर में दानपेटी का ताला तोड़ा और उसमें से 37,518 रुपये मूल्य का वाहन चुरा लिया। पुलिस ने इलाके के एक जानकार निवासी, गावदेवी प्रबंधन समिति को सीसीटीवी फुटेज दिखाई। उस समय पता चला कि चोर तुकारामनगर का निवासी था। पुलिस ने बड़ी कुशलता से संभाजी बिराजदार को चोरी के बाद भागने का कोई मौका दिए बिना गिरफ्तार कर लिया। दानपेटी में रखे 37,000 रुपये मूल्य के वाहन और चोरी के लिए इस्तेमाल किए गए रिक्शा, कुल 1.37 लाख रुपये, उसके पास से जब्त कर लिए गए हैं।

ओबीसी समुदाय ने जिलाधिकारी कार्यालय पर किया विरोध प्रदर्शन

- नेताओं ने सरकारी प्रस्ताव की प्रतियां फाड़ीं
- महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण पर टकराव

ठाणे. महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर नया टकराव सामने आ गया है। ओबीसी संगठन के सदस्यों ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय के बाहर सरकारी प्रस्ताव की प्रतियां फाड़ीं। और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार पर अन्याय करने का आरोप लगाते हुए नारे लगाए।

इससे पहले सरकार ने मंगलवार को मराठा आंदोलनकारी नेता मनोज जरांगे की 8 में से 6 मांगें मान लीं और मराठाओं को मराठा-कुणबी जाति प्रमाणपत्र देने का निर्णय लिया। इससे मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे में आरक्षण का लाभ मिल सकेगा।

जिलाधिकारी को मांगों का ज्ञापन सौंपा

दशरथ पाटिल और मल्लिकार्जुन अन्ना पुजारी के नेतृत्व में ओबीसी समुदाय ने ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि मराठा समुदाय के पात्र व्यक्तियों को कुनबी या मराठा कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित करने वाले सरकारी आदेश को तुरंत रद्द किया जाए।महाराष्ट्र में ओबीसी समुदाय ने समय-समय पर ओबीसी में मराठा जाति की घुसपैठ का विरोध किया है। राज्य सरकार मराठा समुदाय के आगे झुक गई है। 2 सितंबर 2025 को हैदराबाद राजपत्र में प्रविष्टियों को ध्यान में रखते हुए, दशरथ पाटिल ने कहा कि मराठा समुदाय के पात्र व्यक्तियों को कुनबी या मराठा-कुनबी या मराठा कुनबी जाति प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित करने वाला सरकारी आदेश ओबीसी के आरक्षण को समाप्त करने की सरकार की एक साजिश है।राज्य सरकार द्वारा जारी जीआर वापस लिया जाना चाहिए। हम किसी भी तरह से और किसी भी परिस्थिति में, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में शामिल करने का कड़ा विरोध करते हैं। मराठा समुदाय सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा न होते हुए भी, कुनबी अभिलेखों के माध्यम से 58 लाख मराठों को दिए गए फर्जी जाति प्रमाण पत्र तुरंत रद्द किए जाने चाहिए। मराठा समुदाय के कुनबी अभिलेखों की जाँच के लिए गठित न्यायमूर्ति संदीप शिंदे समिति, जिसे मराठों के दबाव में फिर से बढ़ा दिया गया था, असंवैधानिक है और उसे तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए।जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल को एक ज्ञापन देकर इसे तुरंत बर्खास्त करने की माँग की गई।

ओबीसी नेता भुजबल कैबिनेट बैठक से गायब

सरकार के फैसले से मराठा समुदाय में संतोष है, जबकि ओबीसी समाज में नाराजगी दिख रही है। ओबीसी नेता और मंत्री छगन भुजबल कैबिनेट बैठक से अनुपस्थित रहे और दोहराया कि यदि मराठाओं को ओबीसी कोटे में शामिल किया तो बड़ा आंदोलन होगा। ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके ने चेतावनी दी कि सरकार के पास मराठाओं को कुणबी प्रमाणपत्र देने का अधिकार नहीं है और ओबीसी समुदाय सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करेगा।

बाप्पा का विसर्जन भी गड्ढों से होकर

कल्याण. उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली की सड़कों पर गड्ढों से नागरिक, वाहन चालक और यात्री तंग आ चुके हैं। चूँकि गणेशोत्सव के दौरान भी गड्ढे नहीं भरे गए हैं, इसलिए गणेश भक्तों के लिए अपने प्रिय बप्पा को विदाई देने और गड्ढों से होकर आने का समय आ गया है। बप्पा के विसर्जन के दौरान गणेश भक्त गुहार लगा रहे हैं, 'गड्ढों की इस बाधा को अब आप दूर करें।'

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका में लगभग 420 किलोमीटर सड़कें हैं। इनमें से केवल 20 प्रतिशत सीमेंट कंक्रीट की सड़कें हैं, जबकि बाकी डामर की सड़कें हैं। इस वर्ष लगातार हो रही भारी बारिश के कारण डामर की सड़कें बहुत खराब हो गई हैं और कई जगहों पर सड़कें सचमुच बह गई हैं। गड्ढों के कारण बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम के कारण नागरिकों को घंटों जाम में फंसना पड़ रहा है। साथ ही, वाहनों को नुकसान और यात्रियों को पीठ दर्द का सामना करना पड़ रहा है।

मनपा क्षेत्र की कुछ सड़कें एमएसआरडीसी के अधीन हैं। उनमें से एक, गोविंदवाड़ी बाईपास रोड की भी पर्याप्त सफाई की गई है। राजनीतिक दलों ने गणेशोत्सव से पहले गड्ढों को भरने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन भी किए। इसलिए, महानगरपालिका ने गणेशोत्सव की पूर्व संध्या पर गड्ढे भरने का काम शुरू कर दिया। कुछ स्थानों पर, कुछ स्थानों पर कोल्डमिक्स पद्धति से बजरी डालकर अस्थायी रूप से सड़कों को अच्छी स्थिति में बहाल करने का प्रयास किया गया।

मनपा आयुक्त अभिनव गोयल ने गणपति उत्सव से पहले गड्ढे नहीं भरने पर संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी, लेकिन गणपति के आगमन के पहले दिन से, बारिश फिर से तेज हो गई और सड़कों पर बड़ी मात्रा में पानी जमा हो गया। परिणामस्वरूप, गड्ढे भरने के प्रशासन के प्रयास फिर से विफल हो गए। मनपा ने गड्ढे भरने के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, लेकिन नागरिक इस बात पर कड़ी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं कि गड्ढे नहीं भरे गए हैं। गणेश भक्त भगवान गणेश को अलविदा कहते हुए प्रशासन से सड़कों को गड्ढा मुक्त करने की सद्बुद्धि देने की गुहार लगा रहे हैं।

दादर स्टेशन के पास पार्किंग में 10-12 वाहन जलकर खाक

मुंबई. मुंबई के सबसे बड़े जंक्शन दादर रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नंबर 14 के पास बाइक पार्किंग में भीषण आग लग गई। सूत्रों ने बताया, प्लेटफ़ॉर्म नंबर 14 के बाहर पार्किंग में खड़ी एक बाइक में आग लग गई। इसके बाद, आग फैलती गई और 10 से 12 बाइकें जल गईं। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पार्किंग में खड़ी गाड़ियों में आग कैसे लगी, लेकिन आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों को आग पर काबू पाते देखा गया, समय पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया।

शुक्र है कि आग लगने की इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन 10 से 12 गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, और घटना की जांच जारी है। आग लगने का असली कारण क्या है? माटुंगा पुलिस जांच कर रही है। इलाके में यह भी चर्चा है कि आग किसी ने लगाई थी। इस बीच, दादर रेलवे स्टेशन बहुत व्यस्त और भीड़-भाड़ वाला इलाका है, इसलिए यहां हमेशा भीड़ लगी रहती है। जैसे ही आग लगने की खबर मिली कई लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े।

ज़िले के छह शिक्षकों को ज़िला आदर्श शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया

ठाणे. शिक्षक दिवस के अवसर पर ज़िला परिषद द्वारा आयोजित ज़िला आदर्श शिक्षक पुरस्कार 2025-26 वितरण समारोह ठाणे के बी. जे. हाई स्कूल सभागार में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुल छह शिक्षकों को ज़िला स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं के पूजन से हुई।

जिला परिषद ठाणे शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है। दिशा परियोजना के माध्यम से राज्य में निपुण महाराष्ट्र की अवधारणा को साकार किया जा रहा है और जिले में 32 लाख छात्रों पर परीक्षण किए गए हैं। इससे हमें छात्रों की शैक्षणिक प्रगति की जाँच करने में मदद मिलती है। प्रशासन शिक्षकों के स्थानांतरण, पदोन्नति और विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए भी प्रतिबद्ध है। स्कूलों में भौतिक सुविधाओं, सौर ऊर्जा, डिजिटल शिक्षा और मरम्मत के लिए पहल की जा रही है। शिक्षकों को समृद्ध किए बिना छात्र सक्षम नहीं होंगे, इसलिए शिक्षकों का योगदान ठाणे जिले की शैक्षिक प्रगति की असली ताकत है।

यह मार्गदर्शन मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने किया।विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने पुरस्कार विजेता शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्रों को तकनीक से जोड़कर जिला परिषद का कार्य अच्छी तरह से चल रहा है। यह गर्व की बात है कि शिक्षकों को उनकी जीवन भर की उपलब्धियों के परिणामस्वरूप आज यह सम्मान मिल रहा है।

LaLiga Football Schools

Sacred Heart School

AFFILIATION NO. CBSE - 1130894. NURSERY TO GRADE XII

NBA Basketball School

CCE FINLAND

CELEBRATING 25 YEARS OF EXCELLENCE

INDIA'S BEST SCHOOLS

JOYFUL LEARNING

ADMISSIONS OPEN (2026-27) FROM 8TH SEPTEMBER, 2025

PRINCE NATHANI
Scored
99.00%
CBSE 10, Board Exams 2025

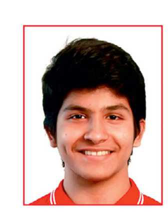

ROSHAN SHOREY
Scored
97.20%
CBSE 12, Board Exams 2025
B.Tech in Prestigious NIT Surat

http://www.sacredheartschool.in/
WhatsApp No. 8605733000
email id - admission@sacredheartschool.in

एक्टर आशीष कपूर रेप केस में गिरफ्तार

- दिल्ली में हाउस पार्टी के दौरान दुष्कर्म का आरोप
- इंस्टाग्राम पर हुई थी पीड़िता से मुलाकात

टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता में नजर आ चुके एक्टर आशीष कपूर को रेप केस में बुधवार को गिरफ्तार किया गया है। एक महिला का आरोप है कि अगस्त के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में हुई एक हाउस पार्टी के दौरान आशीष ने वॉशरूम में उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने एक्टर को पुणे से गिरफ्तार किया है। मामले की जांच जारी है।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आशीष की पुणे में हुई गिरफ्तारी की पुष्टि DCP (नॉर्थ) राजा बंथिया ने की है। पुलिस ने आशीष कपूर की मूवमेंट को गोवा से पुणे तक ट्रैक किया, जिसके बाद टीम को दोनों जगह भेजा गया और फिर पुणे से एक्टर की गिरफ्तारी की गई।

जानें क्या है पूरा मामला

पुलिस के मुताबिक, आशीष कपूर की महिला से जान-पहचान इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी। दोनों दोस्त बने और फिर पार्टी की योजना बनाई गई, जिसमें पीड़िता भी शामिल थी। पीड़िता ने 11 अगस्त को दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें शुरुआत में आरोप लगाया गया था कि आशीष कपूर, उनके दोस्त और दो अज्ञात पुरुषों ने मिलकर उनका रेप किया है। वहीं, एक महिला (दोस्त की पत्नी) ने उनके साथ मारपीट भी की।

हालांकि, बाद में महिला ने अपना बयान बदलकर कहा कि सिर्फ आशीष कपूर ने उनके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि घटना की वीडियोग्राफी की गई थी, लेकिन पुलिस को अभी तक ऐसा कोई वीडियो नहीं मिला है। अधिकारियों ने बताया कि पहले यह मामला गैंगरेप में दर्ज किया गया था, लेकिन अब इसे केवल रेप के आरोप में बदला जाएगा।

स्कूलों में सभी लेन-देन मराठी में हों - कांग्रेस

ठाणे. मनपा शिक्षा विभाग ने हाल ही में सभी स्कूलों के लिए मराठी नामपट्टिकाएँ लगाना अनिवार्य कर दिया है। सरकार के 2014 के फैसले के अनुसार मनपा ने अब इसका सख्ती से पालन शुरू कर दिया है।ठाणे शहर जिला कांग्रेस कमेटी का मानना है कि नामपट्टिकाएँ केवल मराठी में होंगी, तो मराठी को न्याय नहीं मिलेगा।कांग्रेस शहर अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने कहा कि मराठी राज्य की भाषा है और इसे केवल नामपट्टिकाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि वे मांग करेंगे कि स्कूलों में सभी दैनिक लेन-देन, पत्राचार, रिकॉर्ड, आवेदन, आदेश, उपस्थिति, लेखा-जोखा मराठी में ही किया जाए, अन्यथा मराठी नामपट्टिकाएँ केवल दिखावा बनकर रह जाएँगी।इस संबंध में कांग्रेस प्रशासन से संपर्क करेगी और दृढ़ता से आग्रह करेगी कि आधिकारिक रिकॉर्ड और दस्तावेज़ अंग्रेजी या हिंदी के बजाय मराठी में रखे जाएँ।अगर मराठी लोगों के बच्चों के स्कूल में लेन-देन अंग्रेजी में होता है, तो मराठी में नामपट्टिकाएँ लगाने से क्या हासिल होगा? चव्हाण ने ज़ोर देकर कहा, ₹असली सम्मान तभी मिलेगा जब स्कूल डायरी से लेकर रिजल्ट शीट तक सभी दस्तावेज़ मराठी में उपलब्ध होंगे।मनपा शिक्षा विभाग ने स्कूलों को आठ दिनों के भीतर मराठी नाम-पट्टिकाएँ लगाने का आदेश दिया है, लेकिन कांग्रेस की इस माँग ने राजनीतिक गलियारे में एक नया समीकरण गरमा दिया है। जहाँ भाजपा-शिवसेना सरकारी स्तर पर मराठी नामपट्टिकाओं पर ज़ोर दे रही हैं, वहीं कांग्रेस ने अब सरकार को मुश्किल में डाल दिया है।

Staff Required

SINDHI MALE

Qualification B.COM PASSED For ACCOUNTANT & For SALESMAN Qualification- 10TH PASSED

CONTACT :
MR. RAJESH
Mob. No. : 9307579475

उल्हास वि NEWS LIVE FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

Google Play

GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगढ़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

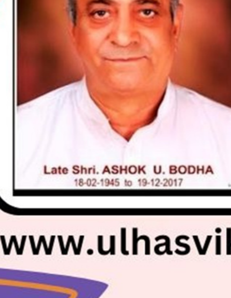

Late Shri. ASHOK U. BODHA 18-02-1945 to 19-12-2017

सब पे नजर, सबकी खबर Since 1985

www.ulhasvikas.com epaper.ulhasvikas.com

Chief Editor Hero Ashok Bodha L.L.B., BMM, MA (PS)

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099